कक्षा–9

हिन्दी (पाठ्यक्रम-अ) कोड संख्या (002)

संकलित परीक्षा 1 (एस 1) हेतु भार विभाजन (अप्रैल-सितम्बर)		कुल भार %
विषयवस्तु	अंक	
अपठित बोध	20	30%
व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	40	
लेखन	10	

संकलित परीक्षा एक (एस-1) 90 अंकों की होगी। 90 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 30 अंकों में से परिवर्तित कर लिया जाएगा तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा

संकलित परीक्षाओं हेतु विभाजन

खण्ड	विभाग	अंक	कुल अंक
क.	1.अपठित गद्यांश–बोध	5×2=10	20
	2.अपठित पद्यांश–बोध	5×2=10	
ख.	व्याकरण	5×4=20	20
ग.	पाठ्यपुस्तक – क्षितिज भाग–1	30	40
	पूरकपाठ्यपुस्तक – कृतिका भाग–1	10	
घ.	लेखन	10	10

खण्ड-क : अपठित बोध

प्रश्न संख्या 1-4 20

1. **दो अपठित गद्यांश ¼100 से 150 शब्द½**
2. **दो अपठित काव्यांश ¼100 से 150 शब्द½**

उपर्युक्त गद्यांश व पद्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **चार** प्रश्न पूछे जाएँगे प्रत्येक प्रश्न के **पाँच** बहुविकल्पी भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा ।

खण्ड-ख : व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न संख्या 5-9 20

व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **पाँच** प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **4 अंक** का होगा।

खण्ड-ग : पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग–1 व कृतिका भाग–1

प्रश्न संख्या 10-14 40

प्रश्न संख्या 10

क्षितिज से निर्धारित पाठों में से कोई एक गद्यांश दिया जाएगा **(विकल्प सहित)** तथा इस पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **एक प्रश्न** पूछा जाएगा तथा इस प्रश्न के **पाँच** बहुविकल्पी भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा । (5×1)

प्रश्न संख्या 11

इस प्रश्न के **पाँच** भाग होंगे। प्रत्येक भाग **लघुउत्तरीय** प्रकार का होगा तथा प्रत्येक **भाग दो अंक** का होगा। सभी प्रश्न क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर होंगे तथा यह छात्रों की उच्च चिंतन व मनन क्षमताओं का आकलन करने हेतु पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार **दस अंक** होगा (2×5)

प्रश्न संख्या 12

क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से **कोई एक** काव्यांश दिया जाएगा **(विकल्प सहित)** तथा इस पर **पाँच अति लघुउत्तरीय** प्रश्न अथवा **तीन लघुउत्तरीय** प्रश्न पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार **पाँच अंक** होगा। यह छात्रों की काव्य के बोध व उनकी काव्य पर स्वयं की सोच की परख करने हेतु पूछे जाएँगे। (5)

प्रश्न संख्या 13

इस प्रश्न के पाँच भाग होंगे/क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर लघुउत्तरीय / अतिलघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक भाग दो अंक का होगा। प्रश्नों का आधार छात्रों का काव्य बोध परखने पर होगा । इस प्रश्न के कुल अंक **दस** होंगे। **(2×5= 10 अंक)**

प्रश्न संख्या 14

पूरक पुस्तक 'कृतिका' के निर्धारित पाठों पर आधारित दो में से एक निबंधात्मक प्रश्न पूछा जाएगा। इस प्रश्न का कुल भार **चार** अंक होगा । ये प्रश्न छात्रों के पाठ पर आधारित अनुभवों व उनकी संवेदनशीलता को परखने के लिए होंगे । **(4 अंक)**

प्रश्न संख्या 15

पूरक पुस्तक 'कृतिका' के निर्धारित पाठों पर आधारित चार में से तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाऐगें। इन प्रश्नों का कुल भार **छः** अंक होगा। यह प्रश्न पाठ की समझ व उनकी सहज अभिव्यक्ति की क्षमता पर आधारित होगा। **(2×3=6 अंक)**

खण्ड–घ : लेखन

प्रश्न संख्या 16-17

(10)

प्रश्न संख्या 16

इस प्रश्न में संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए विषयों पर **80 से** 100 शब्दों में **तीन** में से किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लिखने के लिए कहा जाएगा । यह अनुच्छेद **विभिन्न विषयों** और संदर्भो पर छात्रों के तर्कसंगत विचार **प्रकट** करने की क्षमता को परखने के लिए होंगे । (5 **अंक)**

प्रश्न संख्या 17

इस प्रश्न में **औपचारिक/अनौपचारिक** विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखने के लिए कहा जाएगा । यह प्रश्न अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित होगा । **(5 अंक)**

कक्षा नवीं संकलित परीक्षा 1
विषय–हिंदी (अ)

समय 3 घण्टे **अधिकतम अंक 90**

निर्देश:-

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खण्ड 'क'

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए:- 5

मनुष्य अपने भविष्य के बारे में चिंतित है। सभ्यता की अग्रगति के साथ ही चिंताजनक अवस्था उत्पन्न होती जा रही है। इस व्यावसायिक युग में उत्पादन की होड़ लगी हुई है। कुछ देश विकसित कहे जाते हैं, कुछ विकासोन्मुख। विकसित देश वे हैं जहाँ आधुनिक तकनीक का पूर्ण उपयोग हो रहा है। ऐसे देश नाना प्रकार की सामग्री का उत्पादन करते हैं और उस सामग्री की खपत के लिए बाज़ार ढूँढते रहते हैं। अत्याधिक उत्पादन-क्षमता के कारण ही ये देश विकसित और अमीर हैं। विकासोन्मुख या गरीब देश उनके समान ही उत्पादन करने की आकांक्षा रखते हैं और इसीलिए उन सभी आधुनिक तरीकों की जानकारी प्राप्त करते हैं। उत्पादन-क्षमता बढ़ाने का स्वप्न देखते हैं। इसका परिणाम यह हुआ है कि सारे संसार में उन वायुमंडल-प्रदूषण यंत्रों की भीड़ बढ़ने लगी है जो विकास के लिए परम आवश्यक माने जाते हैं। इन विकास-वाहक उपकरणों ने अनेक प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न कर दी हैं। वायुमंडल विषाक्त गैसों से ऐसा भरता जा रहा है कि मनुष्य का सारा पर्यावरण दूषित हो उठा है, जिससे वनस्पतियों तक के अस्तित्व संकटापन्न हो गए हैं। अपने बढ़ते उत्पादन को खपाने के लिए हर शक्तिशाली देश अपना प्रभाव-क्षेत्र बढ़ा रहा है और आपसी प्रतिद्वंद्विता इतनी बढ़ गई है कि सभी ने मारणास्त्रों का विशाल भंडार बना रखा है।

(1) विकासोन्मुख देश वे हैं जो......................... 1

(क) शक्ति और समद्धि से परिपूर्ण हैं।

(ख) आधुनिक तकनीकी का भरपूर प्रयोग करते हैं।

(ग) विविध प्रकार की सामग्री का उत्पादन करते हैं।

(घ) उत्पादन क्षमता में वृद्धि का सपना संजोते हैं।

(2) वायुमंडल ज़हरीला क्यों होता जा रहा है? 1

(क) नाना प्रकार की सामग्री के उत्पादन से।

(ख) वायुमंडल-प्रदूषण यंत्रों की भीड़ से।

(ग) आधुनिक तकनीक के उपयोग से।

(घ) विकसित देशों के कारण।

(3) देशों की आपसी प्रतिद्वंद्विता बढ़ने का क्या कारण है? 1

(क) शक्तिशाली देशों में आगे बढ़ने की होड़।

(ख) सांप्रदायिक मतभेद।

(ग) विज्ञान और तकनीकी।

(घ) मारणास्त्रों का प्रयोग।

(4) 'अग्रगति' शब्द का अर्थ है- 1

(क) गतिशील।

(ख) गतिरोध।

(ग) गतिविज्ञान।

(घ) प्रगति।

(5) 'विकासोन्मुख' शब्द का संधि विच्छेद कीजिए- 1

(क) विकास + मुख।

(ख) विकास + उन्मुख।

(ग) विकासो + न्मुख।

(घ) वि + कास + उन्मुख

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए- 5

'सादा जीवन, उच्च विचार'- यह मुहावरा सुनने में कितना मनमोहक है, परंतु इसके अनुरूप जीवन को ढालना अत्यंत कठिन है। इस मुहावरे को साकार कर जीवन में उतारने वाले डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन उन महापुरुषों की श्रेणी में आते हैं जिनकी कथनी और करनी में कोई अंतर न था। वे जो कहते थे, उसे करके ही दम लेते थे। डॉ. राधाकृष्णन ने जीवन को कठिन तपस्या के रूप में लिया और स्वयं को इसकी आग में तपाकर कुंदन बना लिया। तदंतर उनकी चमक से संपूर्ण विश्व प्रकाशित हो उठा। वे किसी राजनीतिक दल अथवा जोशीले भाषणों के बल पर दुनिया में पूजनीय नहीं हुए, बल्कि उन्होंने इस सम्मान और ऊँचाइयों को अपनी योग्यता के बल पर प्राप्त किया। उनका जीवन एक शिक्षक के रूप में आरंभ हुआ था, लेकिन अपनी बौद्धिकता और योग्यता के बल पर उन्होंने एक महान दार्शनिक और लेखक के रूप में ख्याति अर्जित की। साथ ही वे एक ओजस्वी वक्ता के रूप में भी पहचाने गए। जब डॉ. राधाकृष्णन राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए तो उन्हें दस हजार रूपए मासिक वेतन मिलता था। लेकिन वे मात्र ढाई हज़ार रूपए मासिक वेतन लेते थे। उनके वेतन की शेष राशि देश की उन्नति और विकास कार्यों में खर्च होती थी। डॉ. राधाकृष्णन देश के प्रति समर्पित व्यक्ति थे।

(1) डॉ. राधाकृष्णन का जीवन किस रूप में आरंभ हुआ था? 1

(क) दार्शनिक।

(ख) लेखक।

(ग) शिक्षक।

(घ) वक्ता।

(2) डॉ. राधाकृष्णन अपने किस गुण के कारण दुनिया में पूजनीय हुए? 1

(क) ओजस्वी वक्ता के कारण।

(ख) योग्यता के कारण।

(ग) लेखन के कारण।

(घ) दार्शनिक होने के कारण।

(3) डॉ. राधाकृष्णन जब राष्ट्रपति पद पर थे तब उनके वेतन की शेष राशि किस कार्य में खर्च होती थी? 1

(क) देश की उन्नति और विकास कार्यों में।

(ख) राष्ट्रपति भवन के रख-रखाव में।

(ग) बैंक के खाते में जमा होती थी।

(घ) परिवार के जीवन व्यापन में।

(4) 'समर्पित' शब्द में प्रत्यय है- 1

(क) त

(ख) पित।

(ग) ईत।

(घ) इत।

(5) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है- 1

(क) सादा जीवन, उच्च विचार।

(ख) राष्ट्रपति राधाकृष्णन।

(ग) महान दार्शनिक।

(घ) डॉ. राधाकृष्णन: एक विराट व्यक्तित्व।

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5

सच हम नहीं सच तुम नहीं
सच है महज संघर्ष ही
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झड़कर कुसुम
जो लक्ष्य भूल रुका नहीं
जो हार देख झुका नहीं
जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही
सच हम नहीं सच तुम नहीं
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे
जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे

जो भी परिस्थितियाँ मिले, काँटे चुभे, कलियाँ, खिले
हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही
सच हम नहीं सच तुम नहीं

(1) इस काव्यांश में जीवन की सच्चाई किसे बताया गया है? 1

(क) मनुष्य को।

(ख) संघर्ष को।

(ग) पराजय को।

(घ) भाग्य को।

(2) 'जो नत हुआ, वह मृत हुआ' का आशय है- 1

(क) जिसने संघर्ष किया, वही मृत हुआ।

(ख) जिसने संघर्ष नहीं किया, वही मृत हुआ।

(ग) जिसने हार नहीं मानी, वही मृत हुआ।

(घ) जिसने निडर होकर सामना किया, वही मृत हुआ।

(3) 'काँटे' और 'कलियाँ' किसके प्रतीक हैं- 1

(क) सुख और खुशियाँ।

(ख) आशा और निराशा।

(ग) दुख और सुख।

(घ) संकट और बाधा।

(4) 'अपने आप से लड़ना' का आशय है- 1

(क) अपने परिवार से लड़ना।

(ख) अपने समाज से लड़ना।

(ग) निराश हो जाना।

(घ) अपनी कमियों के विरूद्ध संघर्ष करना।

(5) 'कुसुम' शब्द का पर्यायवाची शब्द है- 1

(क) कमल।

(ख) पंकज।

(ग) प्रसून।

(घ) अरविंद।

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए। 5

युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी
'रघुकुल में थी एक अभागिन रानी'
'धिक्कार' उसे था महास्वार्थ ने घेरा
''सौ बार धन्य वह एक लाल की माई

जिस जननी ने है जना भारत-सा भाई।''
पागल-सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई-
''सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।''

(1) रघुकुल की किस अभागिन रानी की ओर कवि का संकेत है? 1

(क) कौशल्या।

(ख) कैकेयी।

(ग) सुमित्रा।

(घ) सीता।

(2) 'धिक्कार' शब्द से रानी अपना कौन-सा मनोभाव प्रकट कर रही है? 1

(क) अभिमान।

(ख) क्रोध।

(ग) सहानुभूति।

(घ) प्रायश्चित।

(3) रानी को धन्य किसने कहा? 1

(क) लक्ष्मण ने।

(ख) भरत ने।

(ग) राम ने।

(घ) शत्रुघन ने।

(4) 'पागल-सी प्रभु के साथ' में किस अलंकार का प्रयोग हुआ है? 1

(क) उपमा।

(ख) यमक।

(ग) रूपक।

(घ) श्लेष।

(5) 'जननी' शब्द का पर्यायवाची नहीं है? 1

(क) माता।

(ख) अंबा।

(ग) जनक।

(घ) माँ।

खण्ड 'ख'

प्रश्न 5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए- 1×4=4

(क) 'परोपकार' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग व मूल शब्द लिखिए। 1

(ख) 'अप' उपसर्ग से दो शब्द बनाइए। 1

(ग) 'सामाजिक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय व मूल शब्द लिखिए। 1

(घ) 'वान' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए। 1

प्रश्न 6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए- 1×4=4

(क) बच्चा, उचित- भाववाचक संज्ञा में बदलिए। 1

(ख) भारत की राजधानी दिल्ली है। रेखांकित शब्द का संज्ञा-भेद लिखिए। 1

(ग) विद्वान, कवि- स्त्रीलिंग रूप लिखिए। 1

(घ) गंगा हिमालय से निकलती है। (रेखांकित में कारक बताइए) 1

प्रश्न 7. रेखांकित सर्वनाम का प्रकार बताइए- 1×4=4

(क) मैं अपना काम स्वयं करता हूँ।

(ख) जैसा करोगे, वैसा भरोगे।

(ग) दरवाज़े पर कोई खड़ा है।

(घ) कल तुम किससे बातें कर रहे थे?

प्रश्न 8. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का भेद लिखिए- 1×4=4

लंबोदर, देश-विदेश, यथामति, नवरात्र।

प्रश्न 9. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए। 1×4=4

हवा से बातें करना, पहाड़ टूटना, घुटने टेकना, अंग-अंग ढीला होना।

खण्ड 'ग'

प्रश्न 10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए- 5

डाँड़े तिब्बत में सबसे खतरे की जगहें हैं। सोलह-सत्रह हज़ार फीट की ऊँचाई होने के कारण उनके दोनों तरफ़ मीलों तक कोई गाँव-गिराँव नहीं होते। नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण बहुत दूर तक आदमी को देखा नहीं जा सकता। डाकुओं के लिए यही सबसे अच्छी जगह है। तिब्बत में गाँव में आकर खून हो जाए, तब तो खूनी को सज़ा भी मिल सकती है, लेकिन इन निर्जन स्थानों में मरे हुए आदमियों के लिए कोई परवाह नहीं करता। सरकार खुफ़िया-विभाग और पुलिस पर उतना खर्च नहीं करती और वहाँ गवाह भी तो कोई नहीं मिल सकता। डकैत पहिले आदमी को मार डालते हैं, उसके बाद देखते हैं कि कुछ पैसा है कि नहीं।

(1) डाँड़े तिब्बत में सबसे खतरनाक जगहें क्यों हैं? 1

(क) यह सोलह-सत्रह हज़ार फीट की ऊँचाई पर है।

(ख) यहाँ आस-पास मीलों तक कोई गाँव नहीं है।

(ग) डाकुओं के लिए यह सुरक्षित जगह है।

(घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

(2) डाकुओं के लिए डाँड़े सबसे अच्छी जगह क्यों हैं? 1

(क) पुलिस उनसे डरती है।

(ख) बहुत से यात्री लूटने के लिए मिल जाते हैं।

(ग) लूट और हत्या का कोई गवाह नहीं मिल पाता।

(घ) सुनसान जगह है।

(3) यहाँ खून होने पर खूनी को सजा क्यों नहीं मिल पाती? 1

(क) क्योंकि वहाँ जमींदारी प्रथा है।

(ख) क्योंकि वहाँ कोई न्यायालय नहीं है।

(ग) खूनी से सब डरते हैं।

(घ) क्योंकि खून करने वाले के खिलाफ कोई गवाह नहीं होता।

(4) डाँड़े की आवासीय स्थिति कैसी है? 1

(क) यहाँ दूर-दूर तक कोई गाँव नहीं है।

(ख) यहाँ गाँव बहुत पास-पास हैं।

(ग) यहाँ गाँव की आबादी कम है।

(घ) यहाँ गाँव की सघन आबादी है।

(5) 'निर्जन' शब्द में उपसर्ग है- 1

(क) नि।

(ख) निर्।

(ग) नीर।

(घ) निज।

अथवा

हम सांस्कृतिक अस्मिता की बात कितनी ही करें; परंपराओं का अवमूल्यन हुआ है, आस्थाओं का क्षरण हुआ है। कड़वा सच तो यह है कि हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहे हैं, पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं। हमारी नई संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे हैं। प्रतिष्ठा की अंधी प्रतिस्पर्धा में जो अपना है उसे खोकर छद्म आधुनिकता की गिरफ़्त में आते जा रहे हैं। संस्कृति की नियंत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिग्भ्रमित हो रहे हैं।

(1) उपभोक्तावादी संस्कृति ने हमारी परपराओं और आस्थाओं को किस प्रकार प्रभावित किया है? 1

(क) उनका विकास हुआ है।

(ख) उनका अवमूल्यन तथा क्षरण हुआ है।

(ग) उनमें परिवर्तन आया है।

(घ) ये यथावत हैं।

(2) बौद्धिक दासता स्वीकारने का आशय है- 1

(क) मानसिक गुलामी।

(ख) दास बन जाना।

(ग) हम पश्चिमी संस्कृति को अपनाते जा रहे हैं।

(घ) अपनी संस्कृति को बचाना।

(3) हमारी नई संस्कृति कैसी है? 1

(क) अनुकरण की संस्कृति है।

(ख) मूल्यों की संस्कृति है।

(ग) सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है।

(घ) समद्धिशाली संस्कृति है।

(4) हम दिग्भ्रमित क्यों हो रहे हैं? 1

(क) आधुनिक होने के कारण।

(ख) अंधी प्रतिस्पर्धा के कारण।

(ग) बौद्धिक दासता के कारण।

(घ) संस्कृति की नियंत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण।

(5) 'अस्मिता' शब्द का अर्थ है- 1

(क) आदर।

(ख) कार्यक्रम।

(ग) अस्तित्व।

(घ) सम्मान।

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए- 2×5=**10**

(क) छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

(ख) तिब्बत की कौन-कौन-सी बाते लेखक को अच्छी लगीं?

(ग) उपभोक्तावाद ने भारतीय संस्कृति को किस प्रकार हानि पहुँचाई है?

(घ) सालिम अली और डी. एच. लॉरेंस में क्या समानता थी?

(ङ) हीरा नरम विचारों तथा मोती गरम विचारों वाला क्रांतिकारी है- स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **5**

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।
जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन।

(क) कृष्ण-भक्ति प्राप्त करने के लिए कवि क्या-क्या कामना करता है? 2

(ख) कवि किस पर्वत का पत्थर बनना चहता है और क्यों? 2

(ग) कवि पक्षी बनकर किस पेड़ पर वास करना चाहता है? 1

अथवा

फैली खेतों में दूर तलक
मखमल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिसमें रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली!
तिनकों के हरे-हर तन पर

हिल हरित रूधिर है रहा झलक,
श्यामल भूतल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक!

(क) कवि ने हरियाली को मखमल के समान कोमल क्यों कहा है? 1

(ख) हरी घास पर पड़ी ओस की बूँदों को देखकर कवि क्या कल्पना करता है? 1

(ग) हरियाली पर सूर्य की किरणे कैसी लग रही हैं? 1

(घ) 'चाँदी की-सी उजली जाली' में कौन-सा अलंकार है? 1

(ङ) उपर्युक्त काव्यांश में से 'सूर्य' और 'लहू' के पर्यायवाची छाँटिए। 1

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए- 2×5=10

(क) कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न करके आँधी से क्यों की?

(ख) बंद-द्वारा की साँकल खोलने के लिए ललद्यद ने क्या उपाय सुझाया है?

(ग) गोपी श्री कृष्ण द्वारा अपनायी गई वस्तुओं को क्यों धारण करना चाहती है?

(घ) हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?

(ङ) गाँव को 'मरकत डिब्बे सा खुला' क्यों कहा गया है?

प्रश्न 14. बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दीजिए। **4**

अथवा

'शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है'- इस दिशा में लेखिका मृदुला गर्ग के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए- 2×3=**6**

(क) मृत्यु का तरल दूत किसे कहा गया है और क्यों?

(ख) बाढ़ की खबर सुनकर लोग किस तरह की तैयारी करने लगे?

(ग) लेखिका मृदुला गर्ग की बहन चित्रा का व्यक्तित्व अन्य बहनों से किस प्रकार अलग था?

खण्ड 'घ'

प्रश्न 16. किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबंध लिखिए- **5**

(क) **बाल श्रमिक-**

- श्रमिक के रूप में उसकी दिनचर्या,
- शोषण
- प्रशासन के प्रयास
- समाधान

(ख) **राष्ट्र निर्माण और नारी-**

- प्रस्तावना
- भारतीय नारी के गुण
- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- वर्तमान युग में नारी

- राष्ट्र निर्माण में भारतीय नारी की भूमिका
- निष्कर्ष

(ग) **विज्ञापनों से घिरा मानव जीवन-**

- प्रस्तावना
- वर्तमान युग विज्ञापनों का है
- विज्ञापन के उद्देश्य
- प्रभाव
- लाभ-हानि
- उपसंहार

प्रश्न 17. दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 'पुस्तक मेले' का विवरण देते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 5

अथवा

स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए चिकित्सा सुविधाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अपने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए।

संकलित परीक्षा (प्रथम)
हिन्दी पाठ्यक्रम- अ
कक्षा- नवीं

निर्धारित समय- 3 घण्टे **अधिकतम अंक-90**

अंक योजना

1.	अपठित गद्यांश	5
(1)	(घ)	1
(2)	(ख)	1
(3)	(क)	1
(4)	(घ)	1
(5)	(ख)	1
2.	अपठित गद्यांश	5
(1)	(ग)	1
(2)	(ख)	1
(3)	(क)	1
(4)	(घ)	1
(5)	(घ)	1

3.	अपठित काव्यांश	5
(1)	(ख)	1
(2)	(ख)	1
(3)	(ग)	1
(4)	(घ)	1
(5)	(ग)	1
4.	अपठित काव्यांश	5
(1)	(ख)	1
(2)	(घ)	1
(3)	(ग)	1
(4)	(क)	1
(5)	(ग)	1
5.		4
(क)	पर + उपकार।	1
(ख)	अपमान, अपव्यय।	1
(ग)	समाज + इक	1
(घ)	धनवान, बलवान।	1
6.		4
(क)	बचपन, औचित्य।	1
(ख)	व्यक्तिवाचक संज्ञा।	1
(ग)	विदुषी, कवयित्री।	1
(घ)	अपादान कारक	1
7.		4
(क)	निजवाचक सर्वनाम।	1
(ख)	संबंधवाचक सर्वनाम	1
(ग)	अनिश्चयवाचक सर्वनाम	1
(घ)	प्रश्नवाचक सर्वनाम।	1
8.		4
	लम्बोदर– लंबा उदर है जिसका (गणेश) – बहुव्रीहि समास	½+½=1
	देश–विदेश – देश और विदेश – द्वंद्व समास	½+½=1
	यथामति – मति के अनुसार – अव्ययीभाव समास	½+½=1
	नवरात्र – नव रात्रियों का समाहार – द्विगु समास	½+½=1
9.	मुहावरे	4
(1)	हवा से बातें करना – बहुत तेज दौड़ना। राणा प्रताप का चेतक हवा से बातें करता था।	½+½=1

(2) पहाड़ टूटना - भारी कष्ट आना। ½+½=1
बेटे की आकस्मिक मृत्यु से माँ-बाप पर पहाड़ टूट पड़ा।
(3) घुटने टेकना - हार मान लेना। ½+½=1
भारतीयों की वीरता के सामने-दुश्मन ने घुटने टेक दिए।
(4) अंग-अंग ढीला होना
आज सारा दिन इतना काम किया कि अब मेरा अंग-अंग ढीला हो रहा है।

10. 5

(1) (घ) 1
(2) (ग) 1
(3) (घ) 1
(4) (क) 1
(5) (ख) 1

अथवा

5

(1) (ख) 1
(2) (ग) 1
(3) (क) 1
(4) (घ) 1
(5) (ग) 1

11. 2×5=10

(क) छोटी बच्ची को उसकी सौतेली माँ सताती थी, उसे अपनों से बिछड़ने के दुख का अनुभव था।
(ख) सामाजिक कुरीतियाँ वहाँ नहीं थीं, महिलाएँ स्वतंत्र विचारों की थीं।
(ग) परमार्थ पर स्वार्थ हावी हो रहा है, अशांति, असंतोष की भावना बढ़ रही है।
(घ) वे दोनों प्रकृति प्रेमी थे।
(ङ) हीरा अपने कार्यों द्वारा धैर्य, सहनशीलता, अहिंसा की अभिव्यक्ति करता है जबकि मोती उग्रता, प्रतिकार, हिंसा की अभिव्यक्ति करता है।

12.

(क) कृष्ण भक्ति पाने के लिए कवि हर हाल में ब्रज और गोकुल के आस-पास ही रहना चाहते हैं। 2
(ख) कवि गोवर्धन पर्वत का पत्थर बनना चाहता है। ऐसा कर वह कृष्ण के समीप रहना चाहते हैं। 2
(ग) कंदब के पेड़ पर। 1

अथवा

(क) हरियाली की कोमलता के कारण उसे मखमल के समान कोमल बताया है। 1
(ख) ओस की बूँदे सूर्य के प्रकाश में हरित-रक्त का आभास देती हैं। 1
(ग) चाँदी की सी उजली जाली जैसी लग रही है। 1
(घ) उपमा अलंकार 1
(ङ) रवि, रुधिर। 1

13.

(क) आँधी तेज गति से चलकर वस्तुओं की स्थिति में परिवर्तन कर देती हैं। ज्ञान की आँधी से मनुष्य के मन पर पड़ा अज्ञान का पर्दा उड़ जाता है। 2

(ख) संयमपूर्ण जीवन जीना चाहिए। 2

(ग) वह श्रीकृष्ण का सान्निध्य चाहती है। 2

(घ) हथकड़ियाँ पहनना स्वतंत्रता के लिए आवाज़ उठाना है, जुर्म नहीं है। 2

(ङ) हरे रंग और चमक की समानता के कारण। 2

14. 4

(क) प्राथमिक उपचार की सामग्री, आवश्यक वस्तुओं आदि का प्रबंध कर लेना चाहिए, बाँध बनाना चाहिए, जागरूक रहना चाहिए।

अथवा

प्राइमरी स्कूल खोला, सरकार से मान्यता दिलवाई।

15. $2 \times 3 = 6$

(क) बाढ़ के पानी को कहा है क्योंकि यह अपनी विभीषिका से सब कुछ नष्ट कर देता है।

(ख) लोग आलू, ईंधन, मोमबत्ती, पीने का पानी आदि वस्तुएँ इकट्ठी करने लगे।

(ग) पढ़े-लिखे स्वतंत्रता सेनानी से।

(घ) चित्रा मुँहफट, दबंग और समाजसेवी स्वभाव की थी।

16. $2 \times 5 = 10$

निबंध लेखन- 5

भूमिका/प्रस्तावना 1

विषय प्रतिपादन 1

भाषा की शुद्धता 1

समग्र प्रभाव 1

उपसंहार 1

17.

पत्र लेखन- **5**

प्रारंभ एवं समापन की औपचारिकताएँ 2

विषय-सामग्री/प्रस्तुति 2

भाषा की शुद्धता 1